हूं। मैडम, एम.टी.एन.एल. की स्थापना हुई एक अप्रैल, 1986 को, यानी एप्रैल फूल बनाया गया। मैडम, इसमें एक लाख वर्कर्स हैं। मैडम, 1988 में इन वर्कर्स को एक ऑप्शन फार्म दिया गया और उनको कहा गया कि आप 31.3.88 तक डी.ओ.टी. के इम्प्लॉयीज रहने वाले हैं या एम.टी.एन.एल. के इम्प्लॉयीज रहने वाले हैं, इस बारे में आप निर्णय कीजिए। यदि आपने निर्णय नहीं किया तो आप एम.टी.एन.एल. के वर्कर्स समझे जाएंगे। इसके ऊपर फिर इतना होने के बाद भी यदि वह डेप्यूटेशन पर है तो उनको डेप्यूटेशन एलाउंस मिलना चाहिए था, वह डेप्यूटेशन एलाउंस भी नहीं दिया गया। वह एम० टी० एन० एल. के वर्कर्स हैं तो उसके मुताबिक फैसिलिटी देने की आवश्यकता थी। इस विषय के ऊपर भी कोई निर्णय नहीं किया गया। मैडम, 1990 में इनको एड्होक पेमेंट देने का निर्णय सरकार ने किया। 100 रुपए एड्होक पेमेंट दे दिया। तब एग्रीमेंट यूनियन के साथ में किया गया। बताया गया कि हम आने वाले 45 दिन के अंदर इस विषय पर अंतिम निर्णय करेंगे। वह भी निर्णय नहीं हुआ। अब यह प्राईवेट इजेशन कर रहे हैं। एम.टी.एन.एल. के शेयर बाजार में बेच रहे हैं। यदि आप एम.टी.एन.एल. के शेयर बाजार में बेचेंगे तो एम.टी.एन.एल. के वर्कर्स को भी उनके शेयर्स मिलने चाहिए। तो 200 शेयर देने का निर्णय हुआ। लेकिन जब तक एम.टी.एन.एल. के वर्कर्स एम.टी.एन.एल. के वर्कर्स नहीं होते तब तक उनको यह देने का नहीं है, ऐसा निर्णय हुआ और तब उनको यह भी फैसीलीटी नहीं दी जाती है। बीच में एम.टी.एन.एल. ने बाहर से कुछ प्राईवेट लोग रिक्रूट किए जो एम.टी.एन.एल. के एम्प्लाइज हो गए। अब यह एम.टी.एन.एल. के वर्कर्स हो गए और उनको फंड से फेसिलिटी दी गई।

उपसभापति : एक मिनट से बहुत ज्यादा हो गया।

श्री सतीश प्रधान : जो वर्कर्स डेप्यूटेशन में आए हैं उनको भी अभी तक कोई फैसिलिटी नहीं दी गई। उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से, माननीय मंत्री जी को यह विनती करता हूं कि आप इस विषय पर तुरन्त निर्णय करें और हमारे को बताया जाए कि आपने इस विषय किया। धन्यवाद।

PROF. RAM KAPSE (Maharashtra): Madam, I associate myself with the issues raised by Shri Satish Pradhan without making any comment.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Thank you so much. So kind of you.

RE. APPOINTMENT OF GOVERNORS

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Madam, last week I raised the issue of appointment of Governors in six States and nomination of seven Members to the Rajya Sabha. Seven Members are missing here. We have the election for the Vice-President on 16th. The nominated hon. Members of Parliament are supposed to vote. I don't know why the Government is silent and inactive on this issue in the fiftieth year of our independence. I raised this issue last week and there is no response. Seven hon. Members of Parliament are not nominatd. I think the Government should take note of it.

RE. BOMB BLASTS IN RAJDHANI EXPRESS AND IN VARIOUS PARTS OF TAMIL NADU

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : उपसभापति महोदया, राजधानी एक्सप्रेस में बम ब्लास्ट हुआ और चेन्नई, तमिलनाडु में बम ब्लास्ट हुए। राजधानी एक्सप्रेस में तो ऐसी स्थिति हुई कि पांच सेकंड पहले वह बम फट गया और फटने की वजह से वहां बहुत बड़ा क्रेटर हो गया और राजधानी एक्सप्रेस के डिब्बे पटरी से उतर गए। यदि यह ब्लास्ट पांच सकंड बाद होता तो जो दो सौ व्यक्ति जख्मी हुए हैं उनकी जगहों पर सकड़ों आदमी उसमें मरते, यह स्थिति उसमें आने वाली थी। परन्तु इतने दिनों से जो यहां वार्निंग दी जा रही है, इस हाउस में कई बार हम यह सवाल उठा चुके हैं कि सारे देश के अंदर टेरोरिस्ट आउटफिट इकट्ठे हो

[प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा]

रहे हैं, नौर्थ ईस्ट में, कश्मीर के, पंजाब के, चेन्नई के, केरल के और यह स्मगलिंग, नारकोटिक्स और टेरोरिस्ट यह सब मिलकर इस देश के अंदर इस तरह की स्थिति पैदा कर रहे हैं और इसके पीछे पाकिस्तान की आई०एस०आई० का हाथ है, वह इसको इक्ट्ठा कर रही है। पर ऐसा लगता है कि गवर्नमेंट इसके ऊपर कोई ध्यान नहीं दे रही है। इतनी बार बात हुई कि हयूमन बम आ रहे हैं। बाहर से आकर यहां देश भर में स्वर्ण जयंती के अवसर पर भी इस तरह की घटनाएं करेंगे। यह पहले से मालूम था और उसके बाद भी यह घटनाएं हो रही हैं और उसका कोई सुराग पता नहीं लग रहा है। इस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि यह जो आपने टाडा खत्म कर दिया, अब यह टाडा खत्म हो जाने के बाद कोई किसी को डर नहीं, किसी आदमी को डर नहीं चाहे वह आई०एस०आई० का एजेंट हो, पाकिस्तान का एजेंट हो, स्मगलर हो, नारकोटिक्स के अंदर काम करने वाला हो।

[उपसभाध्यक्ष (श्री जान एफ फर्नांडीज) पीठासीन हुए]।

आप टाडा के अंदर किसी के ऊपर ज्यादती हुई तो हो उसका ध्यान करें, पर टाडा को लागू नहीं करने से और टाडा के बदले में कोई कानून न लाने से कि यह सारे के सारे जो आतंकवादी हैं मर्डरर्स हैं, हत्यारे हैं, स्मगलर्स है उनको कोई डर नहीं रहा है, यही मूल कारण है इसके पीछे। मुम्बई में जो हत्याकांड हुआ है गुलशन का और उसके पीछे जो कहा जा रहा है कि वह पकड़े जा रहे हैं, उनके पीछे भी यही है। किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकते किसी को पकड़ नहीं सकते। गिरफ्तार करेंगे तो अगले दिन जमानत हो जाती है, वह बाहर आ जाते हैं, फिर से यह घटनाएं कर रहे हैं। आप इस वार्निंग को गंभीरता से सोचें। गवर्नमेंट ने कान बंद कर रखे हैं और अपने वोटों की खातिर न टाडा को ला रहे हैं और न इन मदरसों के अंदर जो इस प्रकार के लोगों को तैयार किया जा रहा है, उसका ध्यान कर रहे हैं, न पाकिस्तानी एजेंट को पकड़ रहे हैं और न इस तरह की कोई कार्रवाई कर रहे हैं। मैं फिर कहना करना चाहता हूं कि आने वाले दिनों में इस तरह की जो घटनाएं होंगी। अगर आपने इसका ध्यान नहीं किया, आपने गंभीरता से नहीं लिया तो इन सारी घटनाओं के लिये यह सरकार की जिम्मेदारी होगी, इस बात को भी ध्यान में रखा जाए।

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): Sir, the point he has made is very disturbing. (*Interruptions*). He has said that the people are being trained..... (*Interruptions*).

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Is he pleading for TADA? (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): Just a minute. That is his opinion. (*Interruptions*).

SHRI K. R. MALKANI (Delhi): Sir, the Congress party and the BJP agreed.. (*Interruptions*).

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: There should be some law. (*Interruptions*).

SHRI NILOTPAL BASU: He cannot say that people are being trained in Madrasas. (*Interruptions*).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): It is his opinion. (*Interruptions*).

श्री संजय निरूपम (महाराष्ट्र) : देश के चालीस जिल ऐसे हैं जहां... (व्यवधान)... पूरे हिन्दुस्तान में आईएसआई का नेटवर्क तैयार हो रहा है ... (व्यवधान) ...।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): Shri Parag Chaliha. (*Interruptions*) I am not permiting you. (*Interruptions*). Nothing will go on record. (*Interruptions*). The Minister has to say something. Let the Minister say something.

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): Sir, if Prof. Vijay Kumar Malhotra believes that TADA is necessary, he is entitled to his opinion. So far as we are concerned, we are against TADA. (*Interruptions*).

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Will there be any law?

टाडा नहीं तो टाडा के बदले में कोई कानून लाना चाहिए । . . (व्यवधान) . . .

If not TADA, then what?

SHRI S. JAIPAL REDDY: I would like to draw the attention of Prof. Vijay Kumar Malhotra to another part of his statement. He said, "These people are being prepared in Madras." I dont think he actually meant that. I would request his to withdraw his statement. (*Interruptions*) .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): Mr. Chaliha, I have called your name. (*Interruptions*). Will you listen to me? (*Interruptions*). Please sit down.

श्री संजय निरूपम : यह सच है कि. . . (व्यवधान) . . . उत्तर प्रदेश में इनके कई मदरसे . . . . (व्यवधान) . . .

श्री रामगोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय, उन्होंने मदरसे शब्द का प्रयोग किया है, इसको कार्यवाही से निकालिए।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : बम ब्लास्ट के लिए आप क्या कर रहे हैं ? . . . . . (व्यवधान) . . . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): Nothing is going on record. (*Interruptions*). I am not permitting you (*Interruptions*). We have repealed TADA. You know about it. The Member has his own opinion. Let him make his observation. Why are you getting irritated? The Minister has also reacted. Please sit down. I have called Shri Chaliha. (*Interruptions*). Nothing is going on record. Mr. Minister, please listen to me. This is Zero Hour. You are not supposed to respond to everything and anything. Kindly sit down. (*Interruptions*). I am not permitting. (*Interruptions*). Nothing is going on record. I have called the next speaker. (*Interruptions*). Nothing is going on record. (*Interruptions*).

Mr. Malhotra please sit down. Mr. Nirupam, please sit down.

SHRI PARAG CHALIHA (Assam): Mr. Vice-Chairman, Sir, not long ago it was blowing up of two bridges. On the 11th it was derailment of Rajdhani Express and yesterday it was the gunning down of 14 people in Assam on the eve of 36-hour bandh called by ABSU.

The Bodo Liberation Tigers claimed yesterday that they were responsible for blowing up bridges and rail tracks Ap. parently, ULFA, NDFB, UNLF NLFT and NSCN (Khaplang) outfits has resolved to carry out acts of violence on a heightened scale to sabotage the Indepen. dence Day celebrations in the north-eastern region.

The Chief Minister of Assam has condemned the killings. I will urge upon the Government to solve the border problem and other related problems. I would particularly urge upon the Union Home Minister to take the initiative in solving this matter as early as possible.

SHRI S. MUTHU MANI (Tamil Nadu): Sir, there were a series of bomb blasts in Tamil Nadu on 11.8.97 In Chennai alone, there were two bomb blasts. One was at the Russian Cultural Centre and another was at the office of the Tamil Nadu Chief Electoral Officer. Again on 12th there was a bomb blast at Mellur in Madurai district. During the last few months, there were many such bomb blasts. Since the people responsible for these bomb blasts have not been arrested people are in the grip of fear. The common man is living under fear for his life and property. The bomb culture is spreading fast in Tamil Nadu. Even murders have become the order of the day. At Nellaiyam in Nellai district, three persons were murdered yesterday. Two women were killed in Chennai. Of the two women, one was burnt to death in broad day-light. Further the alleged father of an extremist was found hanging in the police station at Andi in Korabulur. All this shows that Tamil Nadu Government has not been able to control this bomb culture and violence. There is no law and order in Tamil Nadu. Since tomorrow is the last day

of the session. I urge upon the Centre to make a statement in the House regarding bomb blasts and violence in Tamil Nadu and what the Centre proposes to do to bring back peaceand normal. in the State of Tamil Nadu.

RE: OBSERVATIONS OF PATNA HIGH COURT FOR IMPOSITION OF PRESIDENTS RULE IN BIHAR—Contd

श्री सिकन्दर बख्त : मैं अभी यहां विजय कुमार मल्होत्रा साहब ने जो सवाल उठाया था, मैं खासतौर से मिनिस्टर साहब की तवज्जोह उस ओर दिलाना चाहता हूं। आपने उस सवाल की बुनियादी बात पर रिएक्ट न करते हुए, दो बातों पर रिएक्ट किया, वेलकम। उसके लिए भी करना चाहिये। मदरसों की जो बात इन्होंने जिस रोशनी में कही है मैं समझता हूं कि उसको न कहते तो बेहतर था। लेकिन मदरसों के खिलाफ मैं भी हूं। मैं इसलिए खिलाफ हूं कि मुसलमान बच्चों को माडर्न तालीम से वंचित किया जा रहा है और हमारी तालीम का सिलसिला मुसलसल गिर रहा है और माडर्न तालीम ये बच्चे हासिल नहीं कर पाते। जो बच्चे इन मदरसों में पहुंच जाते हैं तो बाहर आने के बाद इनका कोई कैरियर नहीं होता। उनके साथ जुल्म हो रहा है। मजहबी तालीम बच्चों को जरूर दी जाये, उसके लिए मैं रोकता नहीं हूं लेकिन बच्चों को माडर्न तालीम से दूर रखकर न दी जाये।

दूसरी बात टाडा के बारे में आप मुखालिफ हो सकते हैं, लकिन शर्त यह है कि एक इन्स्ट्रूमेंट था.....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): You please come to your subject. You should not raise this issue again. That matter is closed.

SHRI SIKANDER BAKHT I am coming to my subject.

सदर साहब, मैं अभी कुछ दिन पहले बिहार पर बोला था और मैंने बहुत सख्त एहतियात की थी कि मेरी कही हुई बात पर आपस में रद्दोकद शुरू न हो और मैंने यह कहा था कि बिहार का मसला आपस में झगड़ा करने का मसला नहीं है। बिहार में जो कुछ हो रहा है उसका पूरे मुल्क पर असर पड़ रहा है। जिस चीज पर मैंने खासतौर से जोर दिया था, वह यह थी कि हमें टेकनीकेल्टी ऑफ थिंग और मारैलिटी ऑफ दि सिच्युएशन को जेहन अंदाज नहीं करना चाहिए। मुझे अफसोस है कि मेरे सीनियर साथी शंकर राव चव्हाण ने फिर टेक्नीकल सवाल उठाया। यह बिल्कुल दूसरा पहलू है कि कोर्ट को वहां तक जाना चाहिए या नहीं जाना चाहिए। जिस चीज का मैं जिक्र करना चाहता हूं वह यह है कि बहरहाल इस किस्म के रिमार्क कोर्ट में दिए गए तो क्या हम लोग यह सोचने के लिए तैयार हैं या नहीं कि हम इस पोलिटिकल फेबरिक को ऐसा बनायें जिससे कोर्ट की तरफ से इस किस्म के रिऐक्शन न आयें। मगर, दिक्कत क्या है कि हम इसकी टेकनीकलेटीज में पड़ जाते हैं कि कोर्ट को इस तरह के सवालात लेने चाहिए या नहीं लेने चाहिए। मगर कोर्ट का रीऐक्शन हुआ है।

Are we only going to ignore the reaction of the court merely on the question of technicality?

या यह हम अपने लिए—मैं झगड़े की बात नहीं कर रहा हूं। मगर क्या हम सोचने के लिए तैयार हैं कि आज कोर्ट इस मंजिल तक कैसे पहुंचा है। यह एक दफा नहीं हुआ है। वक्त थोड़ा है इसलिए मैं पढ़ना नहीं चाहता। लेकिन एक दफे नहीं हुआ है। पहले भी हाई कोर्ट से आबजर्वेशन आ चुके हैं। पढ़कर सुनाऊं अगर आप कहते हैं।

"during the tenure of Mr. Yadav as the Chief Minister, the fraudulent withdrawals from the treasuries registered a phenomenal rise".

मैं इससे पहले की बात कर रहा हूं। कल की बात नहीं कर रहा हूं। इस पर कोई रीएक्शन नहीं हुआ, इसका कोई नतीजा नहीं निकला। मतलब यह कि हम लोगों ने कोर्ट के आबजर्वेशन को ही नजर-अंदाज कर दिया। हमारी मुल्क की सियासत पर इसका कोई असर नहीं है। वह इस पर रीऐक्ट करने के लिए तैयार नहीं है और टेक्निकलीटीज का सवाल हम लाते